



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 27 जनवरी, 2003/7 माघ, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

कुल्लू, 15 जनवरी, 2003

संख्या पी० सी० एच० (कु०) कारण बताओ/त्याग-पत्र 69-72.—एतद्द्वारा श्री दिला राम, वाडं पंच ग्राम पंचायत राहणू, गांव नौगी, डाकखाना उरटू, विकास खण्ड निरमण्ड, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है जो निम्नतः है :—

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है। परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, नियम 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावो होता है अर्थात् 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के

पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होनी है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

खण्ड विकास अधिकारी निरमण्ड ने अपने पत्र संख्या 3272, दिनांक 17-12-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 27-4-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 23, दिनांक 7-5-2002 में दर्ज है जिसके फलस्वरूप आपकी सन्तान की संख्या दो में अधिक हो गई है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ग) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-2 लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

आर० डी० नजीम,
उपायुक्त, जिला कुल्लू (हि० प्र०)।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

कुल्लू, 15 जनवरी, 2003

संख्या पीसीएच (कु०) त्याग-पत्र-57-62.—खण्ड विकास अधिकारी निरमण्ड ने अपने पत्र संख्या 3116, दिनांक 2-11-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत कुशवा वार्ड-2 काफटी के श्री मोहर सिंह पंच सदस्य ने अपनी नियुक्ति जलवाहक के पद पर होने के कारण अपने पद से त्याग-पत्र दिया है तथा त्याग-पत्र दिनांक 19-9-02 से स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मै. जय लाल कन्नाण, जिला पंचायत अधिकारी कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम 135 के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त विकास खण्ड की ग्राम पंचायत कुशवा वार्ड काफटी के श्री मोहर सिंह, पंच सदस्य के त्याग-पत्र को उपरोक्त दर्शाई गई तिथि से स्वीकृत करता हूँ तथा पंच के पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

कुल्लू, 15 जनवरी, 2003

संख्या पीसीएच (कु०) त्याग-पत्र-63-68.—ग्राम पंचायत देवगढ़गोही, विकास खण्ड कुल्लू द्वारा अपने प्रस्ताव संख्या 5, दिनांक 31-10-2002 में इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनकी ग्राम पंचायत देवगढ़गोही के वार्ड-2 कागला के श्री शेर सिंह, पंच सदस्य ने अपनी नियुक्ति कार्यालय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सेन्ज में अर्शकालीन सफाईकर्ता के पद पर होने के कारण अपने पद से त्याग-पत्र दिया है तथा त्याग-पत्र दिनांक 27-10-02 से स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मै. जय लाल कन्नाण, जिला पंचायत अधिकारी कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम

135 के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त विकास खण्ड की ग्राम पंचायत देवगढ़गोही वार्ड-2 फागला के श्री शेर सिंह, पंच सदस्य के त्याग-पत्र को उपरोक्त दर्जाई गई तिथि से स्वीकृत करता हूँ तथा पंच के पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

हस्ताक्षरित/-
(जय लाल कन्नाण),
जिला पंचायत अधिकारी कुल्लू,
जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला (हि0 प्र0)

कारण बताओ नोटिस

शिमला, 20 जनवरी, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (10)-162/87.—यह कि जिला अंकेक्षण अधिकारी शिमला से प्राप्त रिपोर्ट अनुसार श्री गोपाल कौशल, प्रधान, ग्राम पंचायत कटलाह, तहसील रोहड़ू, जिला शिमला हिमाचल प्रदेश निम्न तथ्यों के आधार पर ग्राम पंचायत व जवाहर ग्राम समृद्धि योजना की क्रमशः 2,37,151/- तथा 69,000/- रुपये की धन राशि बतौर पेशगी अनाधिकृत रूप से अपने पास रखने के दोषी पाए गए हैं :—

1. यह कि ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 101 अनुसार उक्त प्रधान श्री गोपाल कौशल द्वारा माह जनवरी, 2001 में 40,000/- रुपये राशि बतौर अग्रिम किसान भवन केनडी के निर्माणार्थ अनाधिकृत रूप से प्राप्त करके उक्त योजना का निर्माण कार्य अभी तक भी आरम्भ नहीं करवाया गया है।

2. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 102, माह मार्च, 2001 में 5000/- रु0 तथा रोकड़ पृष्ठ संख्या 111, दिनांक 12-11-2001 को 6000/- रु0 की राशि बतौर अग्रिम कार्यालय प्रबन्धन हेतु प्राप्त की गई है, जबकि ग्राम पंचायत की कार्यवाही पुस्तिका, रसीदों व रोकड़ बही में उक्त राशियों को बतौर अग्रिम प्राप्त करने का न तो कोई उद्देश्य स्पष्ट किया गया है, तथा न ही इन राशियों का हिसाब अभी तक ग्राम पंचायत को मौफा गया है।

3. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 102, माह मार्च, 2001 अनुसार आंगन बाड़ी कार्यकर्ता के मानदेय भुगतान हेतु 8151/- रु0 की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई है, परन्तु उक्त राशि की अदायगी से सम्बन्धित बिल बाउचर ग्राम पंचायत को अभी तक भी नहीं सौंपे गए हैं, जिससे यह प्रतीत होता है कि उक्त प्रधान द्वारा सम्बन्धित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मानदेय का भुगतान न करके इस राशि का दुरुपयोग किया गया है।

4. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 102 अनुसार माह मार्च, 2001 में ग्राम पंचायत विधि से पंचायत घर कटलाह की मुरम्मत हेतु 50,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई है, जबकि मौफा पर पंचायत घर की मुरम्मत का कोई कार्य नहीं हुआ है।

5. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 103, दिनांक 14-3-2001 अनुसार निर्माणधीन महिला मण्डन भवन कुपडी हेतु 8000/- रुपये, निर्माणधीन महिला मण्डन भवन कलगांव हेतु 8000/- रु0, तथा मुरम्मत भवन प्राथमिक पाठशाला कलगांव हेतु 15,000 रु0 की

राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई है, जबकि उक्त दोनों महिला मण्डल भवनों के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने हेतु यह राशियाँ अभी तक भी उपयोग नहीं की गई है तथा न ही प्राथमिक पाठशाला कलगांव की मुरम्मत का कार्य आरम्भ करवाया गया है।

6. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 103, दिनांक 21-3-2001 अनुसार निर्माण रास्ता महिला मण्डल मेलठी, कुपड़ी, कलगांव हेतु 17,640/- रुपये तथा राजकीय उच्च पाठशाला मेलठी के भवन की छत की मुरम्मत हेतु 9360/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई है, जबकि मौका पर उक्त योजनाओं का कोई कार्य नहीं हुआ है।

7. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 105 अनुसार माह अप्रैल, 2001 में निर्माण राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मेलठी के भवन निर्माण हेतु चैक संख्या 2385201 द्वारा 10,000 रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई है, जबकि मौका पर भवन निर्माण का कोई भी कार्य नहीं करवाया गया है।

8. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत के सामान्य बही के पृष्ठ संख्या 107 अनुसार 3-5-2001 को 60000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई है, परन्तु रसीद व रोकड़ बही में उक्त राशि को प्राप्त करने का कोई उद्देश्य स्पष्ट नहीं किया गया है, और न ही राशि के उपयोग से सम्बन्धित बिल बाऊचर ग्राम पंचायत को सौंपे गये हैं।

9. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की जवाहर ग्राम समृद्धि योजना के लेखों से सम्बन्धित मंथारित रोकड़ बही की पृष्ठ संख्या 27 अनुसार माह फरवरी, 2001 में 25,000 रुपये की राशि तथा रोकड़ पृष्ठ संख्या 28 अनुसार माह मार्च, 2001 में रास्तों के निर्माण/मुरम्मत हेतु मु0 15,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई है परन्तु रसीद व रोकड़ बही से रास्तों का नाम स्पष्ट नहीं किया है तथा न ही उक्त राशियों के उपयोग से सम्बन्धित बिल बाऊचर ग्राम पंचायत को सौंपे गये हैं।

10. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की जवाहर ग्राम समृद्धि योजना से सम्बन्धित रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 28 अनुसार 3-4-2001 को रास्ता कलगांव की मुरम्मत हेतु 10,000/- रुपये की राशि बतौर पेशगी प्राप्त की गई है, जबकि मौका पर उक्त रास्ते की मुरम्मत का कोई कार्य नहीं करवाया गया है।

11. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की जवाहर ग्राम समृद्धि योजना से सम्बन्धित रोकड़ बही अनुसार 26-12-2001 को निर्माण सालु देवता की थाणी (प्रागण) निर्माण हेतु 19,000/- रुपये की राशि प्राप्त की गई है, जबकि मौका पर कोई भी कार्य नहीं करवाया गया है।

12. यह कि उप-प्रधान श्री गोपाल चंकरोता, सदस्य श्री मदन सिंह तथा सर्वश्रीमती कला शर्मा, आशा दत्ता व बली जमाल्टा ग्राम पंचायत कटलाह द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिये गये सामूहिक ध्यान अनुसार 23-1-2001 को ग्राम पंचायत की हुई बैठक में केवल प्रस्ताव संख्या 1 ही सदस्यों को ज्ञपथ दिवाने बारे पारित किया गया था तथा यह प्रस्ताव श्री चतू राम सहायक द्वारा कार्यवाही पुस्तिका में लिखा गया था, जबकि उक्त प्रधान द्वारा बाद में प्रस्ताव संख्या 2 से 4 विभिन्न स्थाहों से क्रमशः मु0 40,000/- रुपये व 25,000/- रुपये सहकारी बैंक रोहडू से निकालने व उक्त बैंक को प्रधान के नमूना हस्ताक्षर भेजना लेखबद्ध करवा कर कार्पनिक कार्रवाई करके अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त श्री रूा राम, ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी के ध्यान अनुसार वह 23-1-2001 को ग्राम पंचायत कटलाह की बैठक में उपस्थित नहीं था तथा उसकी ड्यूटी ग्राम पंचायत शील में थी, परन्तु प्रधान ने उस पर दबाव डालकर यह प्रस्ताव उससे कार्यवाही पुस्तिका में बाद में लेखबद्ध करवाया है।

13. यह कि उप-प्रधान गोपाल चंकरोला, सदस्य श्री मदन सिंह तथा सर्व श्रीमती कला शर्मा, आशा दत्ता व बबली जमाल्टा ग्राम पंचायत कटलाह द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिए गये सामूहिक व्यान अनुसार दिनांक 24-2-2001 को ग्राम पंचायत की हुई बैठक में केवल प्रस्ताव संख्या-1 पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि करने वाले ही पारित किया गया था, जबकि उक्त प्रधान द्वारा बाद में श्री रूप राम तत्कालीन ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कटलाह पर दबाव डालकर उसे प्रस्ताव संख्या 2 व 3 लिखने के लिए बाध्य किया गया तथा उक्त फर्जी प्रस्तावों के अन्तर्गत 16551 रुपये व 15,000/- की राशि सहकारी बैंक, रोहड़ू से निकालने हेतु फर्जी कार्यवाही करवा कर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है।

14. यह कि उप-प्रधान श्री गोपाल चंकरोला, सदस्यगण श्री मदन सिंह तथा सर्वश्रीमती कला शर्मा, आशा दत्ता व बबली जमाल्टा ग्राम पंचायत कटलाह द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिये गये सामूहिक व्यान अनुसार दिनांक 6-3-2001 की बैठक की कार्यवाही में प्रस्ताव संख्या 1 से 7 ही पारित किये गये थे जबकि श्री रूप राम तत्कालीन ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कटलाह के व्यान अनुसार उस पर दबाव डालकर प्रस्ताव संख्या 8 से 10 उक्त प्रधान श्री गोपाल कौशल द्वारा कार्यवाही पुस्तिका में बाद में लेखबद्ध करवा कर प्रस्ताव संख्या 7 द्वारा पंचायत घर की मुरम्मत हेतु 50,000/- रुपये की राशि स्वीकृत करने, प्रस्ताव संख्या-8 तथा 10 द्वारा क्रमशः 50,000/- तथा 31,000/- व 27,000/- रुपये की राशि सहकारी बैंक रोहड़ू से निकालने हेतु उसे प्राधिकृत करने और प्रस्ताव संख्या-9 द्वारा 1800/- रुपये की राशि उक्त बैंक से निकालने हेतु श्रीचुनू राम, पंचायत सहायक को प्राधिकृत करने हेतु फर्जी कार्यवाही की गई।

15. यह कि उप-प्रधान श्री गोपाल चंकरोला, सदस्य श्री मदन सिंह तथा सर्व श्रीमती कला शर्मा, आशा दत्ता व बबली जमाल्टा, ग्राम पंचायत कटलाह द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिये गये सामूहिक व्यान अनुसार दिनांक 24-3-2001 को हुई बैठक में केवल प्रस्ताव संख्या 1 से 5 ही पारित किये गये थे, जबकि उक्त प्रधान द्वारा श्री रूप राम, ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी के ऊपर दबाव डालकर व फर्जी रूप में प्रस्ताव संख्या 6 से 8 कार्यवाही पुस्तिका में लेखबद्ध करवा कर उक्त प्रस्ताव के अन्तर्गत क्रमशः 15,000/-, 10,000/- तथा 10,000 रुपये की राशि सहकारी बैंक रोहड़ू से निकालने हेतु स्वयं को प्राधिकृत करके व राशियों की निकासी करके अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है।

उपरोक्त वर्णित तथ्यों से स्पष्ट है कि उक्त श्री गोपाल कौशल, प्रधान ग्राम पंचायत कटलाह, सहकारी/ग्राम पंचायत फण्ड की मु0 3,06,151/- रुपये की धन राशि को अपने पास अनाधिकृत रूप से रखने, राशि का दुरुपयोग करने तथा फर्जी प्रस्ताव कार्यवाही रजिस्टर में लेख स्वयं करवा कर सहकारी बैंक रोहड़ू से उक्त राशियों की निकासी करने व अपने कर्तव्यों को भली भाँति निभाने में दोषी पाये गये हैं।

अतः मैं, जे0 एस0 राणा उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 145(2) तथा हिमाचल पंचायती राज (सामान्य) नियमावली 1997 के नियम 142(1)(क) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री गोपाल कौशल प्रधान, ग्राम पंचायत कटलाह, तहसील रोहड़ू, जिला शिमला को इस आशय से कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि वह इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना स्पष्टीकरण खण्ड विकास अधिकारी रोहड़ू के माध्यम से इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, अन्यथा यह समझा जाएगा कि उसे इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा उसके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की उक्त धारा के अन्तर्गत कार्यवाई की जाएगी।

जे0 एस0 राणा,
उपायुक्त,
शिमला, जिला शिमला।

